

प्र. १ निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए :-

(१४)

अ) "रण केवल इसलिए कि राजे और सुखी हों, मानी हों,
और प्रजाएँ मिले उन्हें वे और अधिक अभिमानी हों।
रण केवल इसलिए कि वे कल्पित अभाव से छूट सकें,
बड़े राज्य की सीमा, जिससे अधिक जनों को लूट सकें।"

अथवा

"बेटा धरती पर बड़ी दीन है नारी,
अबला होती, सचमुच योषिता कुमारी।
है कठिन बंद करना समाज के मुख को,
सिर उठान पा सकती पतिता निज सुख को।"

आ) "जौ लौ सत्य स्वरूप न सुझन
तै लौ मनु मनि कंठ बिसारे फिरतु सकल बन बुझत ॥
अपनी ही मुख मलिन मंद मति देखत परपन माह।
ता कालिमा मेटिबे कारन पचत पखावत छाँह ॥
जेबकतरो से सावधान रहा जा सकता है, इन जेबखतरो से नहीं।"

अथवा

"रावरे दोष न पाटाँन को, पगधूरि को भूरि प्रभाऊ महा है।
पाहन ते बन - बाहन काठ को कोमल है, जल खाइ रहा है।
पावन पाँव परवारि के नाव चढ़ा - इहौ, आयसु होत कहा है।
तुलसी सुनि केवट के बर बैन हँसे, प्रभु जान की ओर हहा है।"

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(२०)

क) रामधारी सिंह 'दिनकर' के खण्डकाण्य 'रश्मि रथी' की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

अथवा

गुरु परशुराम के शाप का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

ख) कबीर की गुरुमहिमा को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

बिहारी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

प्र. ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

(१०)

ग) कुंती का चरित्र

अथवा

गुरु परशुराम

घ) सूरदास के बालक श्रीकृष्ण ।
अथवा
बिहारी की राधा ।

प्रश्न ४ - निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

(०६)

- १) रश्मि रथी का अर्थ बताइए ।
- २) रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म कब हुआ ?
- ३) 'संस्कृती के चार अध्याय' किसने लिखे ?
- ४) 'काव्य-सरगम' के संपादक का नाम बताइए ।
- ५) 'सखी' का अर्थ बताइए ।
- ६) कबीर के राम कौन है ?

